ISO 9001:2008

मसाला समाचार

भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान
मेरिकुन्नु पी. ओ. कोषिक्कोड, केरल, भारत

अंक 27 खण्ड 2 (तिमाही)
अप्रैल - जून 2016

निदेशक की कलम से

बधाई!

संस्थान के नये निदेशक के पद का उत्तरदायित्व एवं उसकी अनेक चुनौतियां होती है। लेकिन इस महान संस्थान का उत्तराधिकारी होने पर मुझे बहुत गर्व हो रहा है क्योंकि यह संस्थान सुव्यवस्थित एवं हमारे पूर्वाधिकारियों द्वारा वर्तमान स्थिति में पहुंचा हैं। मेरा उत्तरदायित्व पूर्वाधिकारियों द्वारा अर्जित नाम को बनाये रखना है तथा उस लक्ष्य प्राप्ति के लिए मैं अथक प्रयास करूंगा। इस के लिए संस्थान के मेरे सहकर्मियां भी बधाई के पात्र हैं।

पिछले तीन महीनों से संस्थान कई घटनाओं का गवाह हैं। मैं डा. टी. जोन ज़करिया, अध्यक्ष, फसल उत्पादन एवं फसलोत्तर प्रौद्योगिकी एवं उस समय के कार्यकारी निदेशक को अपनी कृतज्ञता प्रस्तुत करता हूं। क्योंकि उन्होंने संस्थान शोध परिषद की बैठक का आयोजन किया तथा उसमें सभी अनुसंधान परियोजनाओं पर गंभीर चर्चा हुई तथा आवश्यकता के अनुसार कुछ नयी परियोजनाओं को आरम्भ किया। कुछ नयी तकनीकियों को भी विस्तार कर्मियों के लिए स्थानांतरण हेतु संस्तुत किया गया।

विषय सूची

अनुसंधान	2
पुरस्कार/सम्मान	2
प्रमुख घटनाएं	3
हिन्दी अनुभाग	4
तकनीकी स्थानान्तरण	5
कृषि विज्ञान केन्द्र	6
प्रकाशन	6

हमारे आई टी एम- बी पी डी यूनिट ने अदरक, हल्दी तथा काली मिर्च के परिष्कृत प्रजातियों के लिए किसानों को लाइसेंस दिया। यह मसालों के परिष्कृत प्रजातियों की रोपण सामग्रियों के अभाव से बचाने में सहायक होंगे। हमारे जैव कारकों युक्त पावर कैप तथा ट्राइकोकैप के शुभारंभ करने से किसानों को उत्तम पौधे तथा मृदा स्वास्थ्य को बनाये रखने में सहायक होंगे।

संस्थान में कई समारोह सम्पन्न हुए । उनमें से प्रमुख है दिनांक 17-28 मई 2016 को स्वच्छता पखवाडा, दिनांक 5 जून 2016 को लोक पर्यावरण दिवस तथा दिनांक 21 जून 2016 को अन्तर्राष्ट्रीय योगा दिवस आदि। मेरा गांव मेरा गौरव कार्यक्रम बहुत स्मरणीय है तथा हमारे वैज्ञानिक अंगीकृत गांव के किसानों को आवश्यक सलाह दे रहे है।

मानसून के शुरू होते ही अदरक, हल्दी तथा इलायची आदि का रोपण कार्य सम्पन्न किया। काली मिर्च में उर्वरक एवं बोर्डियो मिश्रण की पहली मात्रा का प्रयोग पूरा किया गया। मानसून सामान्य होने से इस वर्ष मसाला कृषकों को अच्छी उपज मिलने की सम्भावना है।

(के. निर्मल बाबू)

अनुसंधान

काली मिर्च वैकल्पिक जननद्रव्यशाला

चेताली के वैकल्पिक काली मिर्च जननद्रव्य ब्लोक में तीन साल के बाद उसकी पहली उपज वर्ष 2015-16 में प्राप्त हुई। अक्सेशन 959 ने प्रति बेल अधिकतम साफ बेरी का वज़न (1685 ग्राम) तत्पश्चात् अक्सेशन 933 की साफ उपज का वज़न 1461 ग्राम था। यही नहीं, चेताली में, काली मिर्च के इस ब्लोक में कल्टिवार पौर्णमी ने प्रति बेल अधिकतम साफ (3115 ग्राम) तथा शुष्क (1002 ग्राम) बेरी की उपज अंकित की गयी तत्पश्चात् कल्टिवार करिमुंडा प्रति बेल से साफ (2084 ग्राम) तथा शुष्क (703 ग्राम) उपज अंकित की गयी।

चित्र: पौर्णमी की बेल एवं बेरियां ।

एक्टिनोमाइसेट्स द्वारा फाइटोफ्थोरा का नियन्त्रण

तीन आशावान एक्टिनोमाइसेट्स जैसे बी पी एक्ट1, बी पी एक्ट 25 तथा बी पी एक्ट 42 के क्रूड कल्चर फिल्ट्रेट की *फाइटोफ्थोरा कैप्सीसी* के स्पोरांजिया रूपांकन के प्रति संपूर्ण प्रतिरोधकता अंकित की गयी। बी पी एक्ट 1 वियुक्ति से अलग किये क्रूड क्लोरोफोर्म एकस्ट्राकट ने काली मिर्च रोगजनक *कोलेटोट्राइकम ग्लोयियोस्पोरियोयिड्स* के प्रति उच्चतम क्षमता (75% प्रतिरोधकता) जबकि बी पी एक्ट 1 के ईथाइल एसिटेट एक्स्टाक्ट ने *स्क्लेरोटियम रोल्फसी* (67% प्रतिरोधकता) के प्रति अधिकतम आशावान थे।

इलायची के पर्ण ब्लाइट के लिए आई एस एस आर मार्केर्स

इलायची के पर्ण ब्लाइट कारक घटकों का अध्ययन करने पर यह ज्ञात हुआ कि रोगजनकों की सांक्रमिकता के आधार पर इलायची पर्ण ब्लाइट रोग के कारक *कोलेटोट्राइकम ग्लोयियोस्पोरियोयिड्स* की आई एस एस आर प्राइमर्स की पहचान की जा सकती है। इस अध्ययन के लिए 23 आई एस एस आर प्राइमर्स का प्रयोग किया गया।

भारतीय पादप विषाणुओं पर नवीन डेटा बेस

भारत में पादप विषाणुओं पर अंकित एक नये डेटा बेस भारतीय पादप विषाणु डी बी को जैवसूचना केन्द्र द्वारा विकसित किया गया। इस डेट ा बेस में भारत के विभिन्न फसल पौधों में बाधित विभिन्न पादप विषाणु स्पीसीस के बारे में एवं होस्ट रेंज, लक्षण, वितरण, अन्तरण, रूपवैज्ञानिक, निदान, उपलब्ध अनुक्रम डेटा तथा साहित्य पर सूचनाएं हैं। इस डेटा बेस में 129 पादप विषाणुओं की स्पीसीसों का विवरण उपलब्ध है। फीचर जैसे तुलनात्मक अनुक्रम को इस डेटा बेस में शामिल किया गया, जो विषाणु स्पीसीसों के स्ट्रेन के बीच या विषाणु स्पीसीसों के बीच की तुलना के लिए प्रयुक्त किया जा सकता है। वाइरो ब्लास्ट उपलब्ध सभी पादप विषाणु के प्रति अनुक्रम की पहचान / समानता की जांच की सुविधा प्रदान करती है। इस डेटाबेस में विषाणुओं को उनके स्पीसीस का नाम, होस्ट या रोग की जांच करने के लिए सर्च विन्डो भी है। यह डेटा बेस एक ही प्लाटफोर्म के अन्तर्गत सभी उपलब्ध संसाधनों द्वारा भारत के विभिन्न पादप विषाणुओं के स्पीसीसों की तुलना करने के लिए सहायक हैं, ऐसे भारत में उपलब्ध पादप विषाणुओं पर अध्ययन को सरल एवं आसान बनाने के लिए हैं। यह डेटा बेस http://220.227.138.213/virusdb/ पर उपलब्ध है।

ओमश्शेरी में काली मिर्च पौधशाला

ए डब्ल्यु आई पी एम परियोजना के अन्तर्गत ओमश्शेरी में स्थापित काली मिर्च की पौधशाला सुचारू रूप से रोपण सामग्रियों का उत्पादन कर रही हैं। यहां की रोपण सामग्री स्वस्थ है तथा इसकी कृषको मे बहुत मांग है।

पुरस्कार / सम्मान / मान्यता

डा. के. निर्मल बाबू भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान के नये निदेशक

डा. के. निर्मल बाबू को भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान के निदेशक के रूप में 1 जुलाई 2016 से प्रभावी होकर नियुक्त हुए। आप अखिल भारतीय समन्वित मसाला अनुसंधान परियोजना के परियोजना समन्वयक भी है। डा. के. निर्मल बाबू को मसाला अनुसंधान पर 30 साल का अनुभव है तथा आपने मसालों का आनुवंशिक संसाधन, प्रजनन तथा जैवप्रौद्योगिकी पर कार्य किया है। आपके 200 से अधिक प्रकाशन अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके है। आपने मसालों पर कई पुस्तकों का संपादन भी किया है।

जोन ज़करिया टी.

आप 1 अप्रैल 2016 से 13 जून 2016 तक भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान के कार्यकारी निदेशक।

कण्डियाण्णन के.

आप भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के दिनांक 21-22 मई 2016 को कृषि में यू जी पी जी के लिए आयोजित अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के कोषिक्कोड केन्द्र के नोडल अधिकारी।

प्रसाथ डी.

बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय, बगलकोट, करनाटक में स्नातकोत्तर छात्रों के लिए स्नातकोत्तर अध्यापक (बागवानी विज्ञान) के रूप में मान्यता।

सन्तोष जे. ईपन

समीक्षक, एप्लाइड मृदा परिस्थिति विज्ञान।

आकाशवाणी कार्यक्रम

प्रकाश के. एम	मसाला खेती के लिए रोपण कार्य	8 जून 2016	आकाशवाणी, कोषिक्कोड
जोन ज़करिया टी.	प्रोपरटीस ओफ स्पाइसेस एण्ड डीज़ीसस	14 जून 2016	आकाशवाणी, कोषिक्कोड
सुशीला भाय आर.	कुमिल रोगंगल प्रतिरोधिक्कान नट पटिकल	20 जून 2016	आकाशवाणी, कोषिक्कोड
तंकमणि सी. के.	अदरक की वैज्ञानिक खेती	22 जून 2016	आकाशवाणी, कोषिक्कोड

प्रमुख घटनाएं

संस्थान शोध समिति की बैठक

संस्थान की वार्षिक शोध समिति की बैठक 28-29 अप्रैल 2016 को डॉ. टी. जोन ज़करिया की अध्यक्षता में संपन्न हुई। फसल सुधार एवं जैवप्रौद्योगिकी व समाज विज्ञान का सत्र डा. पी. राजेन्द्रन, एसोशियट निदेशक (अनुसंधान), केरल कृषि विश्वविद्यालय, आर ए आर एस, अम्बलवयल, केरल तथा डा. बी. शशिकुमार, प्रभागाध्यक्ष (फसल सुधार एवं जैवप्रौद्योगिकी) ने संचालन किया। फसल उत्पादन एवं फसलोत्तर प्रौद्योगिकी सत्र का संचालन डा. टी. जोन ज़करिया, प्रभागाध्यक्ष (फसल उत्पादन एवं फसलोत्तर प्रौद्योगिकी) ने किया तथा फसल संरक्षण सत्र की अध्यक्षता डा. सन्तोष जे. ईपन ने की। इन दो दिनों में प्रत्येक परियोजनाओं के शोध कार्यों की समीक्षा की गयी।

निम्नलिखित तकनीकियों को विस्तार एजेंसियों के लिए संस्तुत किया गया।

1. इलायची थ्रिप्स नियन्त्रण के लिए कीटनाशियों के छिडकाव की सूची
2. जैव नियन्त्रण कारक द्वारा इलायची थ्रिप्स का प्रबन्धन
3. काली मिर्च में बाधित पादप सूत्रकृमियों का प्रबन्धन
4. कीटनाशक सूत्रकृमियों का बृहद् स्तर पर उत्पादन
5. अदरक (*ज़िंजीबर ओफीशनेल*) में बाधित *रालस्टोनिया सोलानसीरम* के बायोवार की विशिष्ट पहचान

महनिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अन्तर्गत केरल के संस्थानों के साथ परिचर्चा

माननीय डा. त्रिलोचन महापात्र, महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद एवं केरल में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अन्तर्गत आने वाले संस्थानों के निदेशकों तथा परियोजना समन्वयकों के साथ दिनांक 16 अप्रैल 2016 को एक बैठक हुई। इस बैठक में डा. टी. जोन ज़करिया, कार्यकारी निदेशक एवं डा. के .निर्मल बाबू, परियोजना समन्वयक ने भाग लिया तथा संस्थान एवं अखिल भारतीय समन्वित मसाला अनुसंधान परियोजना के विभिन्न कार्यक्रमों, तकनीकियों का वाणिज्यीकरण तथा अन्य प्रशासनिक समस्याओं पर विस्तृत चर्चा हुई।

स्वच्छता पखवाडा समारोह

डा. टी. जोन ज़करिया, कार्यकारी निदेशक ने दिनांक 17 मई 2016 को स्वच्छता पखवाडा 2016 समारोह का उद्घाटन किया। उस अवसर पर स्टाफ सदस्यों ने स्वच्छता की प्रतिज्ञा लीं। दिनांक 18 मई को स्टाफ सदस्यों ने प्रयोगशालाओं तथा संस्थान के परिसरों को साफ किया। इस अवसर पर दो व्याख्यान आयोजित किये, एक वैज्ञानिक कचरा प्रबन्धन पर डा. पी. एस. हरिकुमार, वैज्ञानिक एफ, जल संसाधन विकास एवं प्रबन्धन केन्द्र (सी डब्ल्यु आर डी एम), कोषिक्कोड तथा दूसरा पर्यावरण एवं स्वास्थ्य पर डा. टी. जयकृष्णन, एसोशियट प्रोफेसर, मेडिकल कोलेज, कोषिक्कोड ने दिया। इस अवसर पर ग्राम सफाई अभियान भी आयोजित किया जिसका उद्घाटन श्रीमती शालिनी, माननीय काउनसिलर, वार्ड संख्या 15, कोषिक्कोड नगर निगम ने दिनांक 25 मई 2016 को किया।

डा. टी. जयकृष्णन स्टाफ को संबोधित करते हुए।

इस अवसर पर निबन्ध लेखन (अंग्रेज़ी तथा मलयालम), चित्रकला तथा कविता लेखन (अंग्रेज़ी तथा मलयालम) पर साहित्यिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी। दिनांक 27 मई 2016 को डा. सी. के. तंकमणि, नोडल अधिकारी ने कम्पोस्ट निर्माण तथा वर्मी कम्पोस्ट की तैयारी में भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान डेयरी यूनिट में एक प्रदर्शनी आयोजित की जिसमें स्टाफ सदस्यों तथा कट्टांगल रेसिडेन्ट्स एसोशियेशन के सदस्यों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि डा. टी. जयकृष्णन, एसोशियटप्रोफेसर, मेडिकल कालेज, कोषिक्कोड ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को दिनांक 28 मई 2016 को संपन्न हुए समापन समारोह में पुरस्कार वितरण किया। स्च्छता पखवाड़ा समारोह भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान प्रायोगिक फार्म, पेरुवण्णामुषि, श्रेत्रीय स्टेशन. अप्पंगला तथा कृषि विज्ञान केन्द्र, में भी आयोजित किया गया।

स्टाफ सदस्यों द्वारा केंपस की सफाई।

अन्तर्राष्ट्रीय योगा दिवस समारोह

अन्तर्राष्ट्रीय योगा दिवस संस्थान के तीनों केन्द्रों में बड़े उत्साह के साथ 21 जून 2016 को मनाया गया। इस अवसर पर चेलवूर कॅंपस में योगाचार्य श्री. के. एम. राजेश, निदेशक, स्वस्थिक होलिस्टिक योगा रिसर्च सेन्टर, कोषिक्कोड मुख्य अतिथि थे। उन्होंने योगा के प्रधान्य तथा योगा को अच्छे स्वास्थ्य के लिए होलिस्टिक के रूप में अंगीकृत करने की आवश्यकता के बारे में संक्षेप में वताया। उन्होंने एक योगा प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण भी करवाया जिसमें संस्थान के सभी स्टाफों ने भाग लिया। कृषि विज्ञान केन्द्र, पेरुवण्णामुषि में श्री. के. रामचन्द्रन, केरल राज्य समन्वयक, लोक समुदाय सेवा संगम ने स्वास्थ्य एवं फिट्नेस के लिए योगाभ्यास पर प्रशिक्षण दिया।

योगाचार्य श्री. के. एम. राजेश स्टाफ को संबोधित करते हुए।

प्रायोगिक प्रक्षेत्र में योगाभ्यास

लोक पर्यावरण दिवस

भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान में दिनांक 5 जून 2016 को लोक पर्यावरण दिवस मनाया गया। सी ब्लोक में वाटर हारवस्टिंग स्ट्रक्चर के निकट विभिन्न वृक्ष स्पीसीसों को रोपण किया। इसके बाद वन्य संसाधनों के अनियमित व्यापार पर डा. बी. शशिकुमार, प्रभागाध्यक्ष, फसल सुधार एवं जैवप्रौद्योगिकी प्रभाग, भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड ने व्याख्यान दिया। कृषि विज्ञान केन्द्र, पेरुवण्णामुषि में जायफल कलमी पोधे तथा मैंगोस्टीन का रोपण करके इस दिवस को मनाया गया।

मेरा गांव मेरा गौरव

चयनित दस वार्डों के 300-400 कृषक परिवारों पर आधारित सर्वेक्षण रिपोर्ट स्थानीय कृषि विभाग कार्यालय को प्रस्तुत की गयी। कट्टिप्पारा पंचायत के दस प्रदर्शन प्लोट में, प्रत्येक में अदरक की आई आई एस आर महिमा तथा हल्दी की आई आई एस आऱ प्रतिभा प्रजाति की खेती की जा रही है। काली मिर्च की उत्तम प्रबन्धन पद्दति की दो प्रदर्शनी भी आयोजित की गयी।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा (ए आई ई ई ए) 2016 का आयोजन

भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड द्वारा स्नातक तथा स्नातकोत्तर अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा (ए आई ई ई ए) 2016 दिनांक 21-22 मई 2016 को कोषिक्कोड के विभिन्न केन्द्रों में आयोजित की गयी। 15 केन्द्रों में 21 मई 2016 को 7374 छात्रों ने स्नातक प्रवेश परीक्षा तथा 22 मई 2016 को 378 छात्रों ने स्नातकोतर प्रवेश परीक्षा में भाग लिया।

पुस्तकालय

सी ई आर ए कनसोर्टियम के अन्तर्गत 15 पूर्ण लेखों को वितरित किये गये। 'एग्रि टिट बिट्स' के तीन खण्डों को प्रकाशित किया गया। एक पुस्तक को क्रय किया तथा 11 अन्य प्रकाशनों को शामिल किया। पुस्तकालय सेवाओं से 153 आंतरिक एवं 3 बाह्य लोग लाभान्वित हुए। पुस्तकालय में प्रविष्ट करने के लिए बायोमेट्रिक प्रणाली को स्थापित किया गया।

हिन्दी अनुभाग

प्रकाशन

प्रस्तुत अवधि में हिन्दी सेल द्वारा मसाला समाचार पत्र (जनवरी-मार्च 2016), अनुसंधान के मुख्य अंश 2015-16, इलायची (विस्तार पुस्तिका) तथा अखिल भारतीय समन्वित मसाला अनुसंधान परियोजना का वार्षिक प्रतिवेदन 2015-16 का सारांश प्रकाशित किया।

हिन्दी कार्यशाला

राजभाषा को लोकप्रिय करने के लिए भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड में 15 जून 2016 को एक हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गयी। डा. वी. बालकृष्णन, उप निदेशक (राजभाषा) ने हिन्दी टिप्पणी एवं मसौदा लेखन पर व्याख्यान दिया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

प्रस्तुत अवधि में दिनांक 21 जून 2016 को डा. के. निर्मल बाबू, निदेशक, भाकृअनुप- भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न हुई।

तकनीकी स्थानान्तरण

कृषि तकनीकी सूचना केन्द्र

कृषि तकनीकी सूचना केन्द्र ने 700 से अधिक स्टेक होल्डेर्स को परामर्श सेवाएं प्रदान की गयी जिसमें किसानों, छात्रों, अधिकारियों तथा ग्रामीण युवक शामिल थे। प्रजातीय चयन, भूमि चयन एवं तैयारी, पौधशाला प्रबन्धन एवं स्ट्रेस प्रबन्धन प्रमुख थे। जिसमें परामर्श सेवाएं प्रदान की जाती है। प्रस्तुत अवधि में कुल 332,348 रुपए अर्जित किये।

वयनाडु के काली मिर्च किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

भाकृअनुप- भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड ने काली मिर्च खेती पर वयनाडु जिले के किसानों के लिए दो एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। ये कार्यक्रम 4 तथा 5 अप्रैल 2016 को कृषि भवन, तरियोड तथा पोषुताना के सहयोग से आयोजित किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में वयनाडु जिले के 86 किसानों ने भाग लिया।

ग्लोबल एडु-कनेक्ट 2016

जे डी टी इस्लाम, कोषिक्कोड द्वारा 10-14 अप्रैल 2016 को आयोजित ग्लोबल एडु-कनेक्ट 2016 प्रदर्शनी में भाकृअनुप- भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान ने भाग लिया। संस्थान की नवीनतम तकनीकियों के अतिरिक्त, आई आई एस आर कार्मिकों ने कृषि अनुसंधान में कृषि शिक्षा तथा रोज़गार अवसरों पर आगन्तुकों को अवगत कराया।

अदरक की प्रो ट्रे तकनीकी पर त्रिपुरा में प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र, त्रिपुरा के कार्मिकों के लिए दिनांक 15 अप्रैल 2016 को अदरक की प्रो-ट्रे तकनीक पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। यह प्रशिक्षण एवं तकनीकी प्रदर्शनी को उत्तर पूर्व के लिए भाकृअनुप-अनुसंधान कोम्प्लक्स के अगरतला के क्षेत्रीय केन्द्र में आयोजित किया। विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्र के लगभग तीस अधिकारियों ने इस कार्यक्रम मे भाग लिया। प्रस्तुत प्रशिक्षण कार्यक्रम में अदरक की प्रजाति आई आई एस आर महिमा की रोपण सामग्रियों का वितरण किया गया।

मसाला उत्पादन तकनीकी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान ने 20-22 जून 2016 को अरियल्लूर में नौ किसानों तथा दो अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जिले में मसाला खेती से संबन्धित विशिष्ट कार्यों तथा मृदा एवं जल जैसे प्राकृतिक संसाधनों के प्रबन्धन के लिए तकनीकियों से संबन्धित कार्यों पर केन्द्रित थे । मृदा एवं जल जैसे प्राकृतिक संसाधनों के प्रबन्धन के लिए खेत भ्रमण भी आयोजित किये गये।

आदिवासी किसानों के लिए हल्दी की कृषि पद्धतियों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

वयनाडु के आदिवासी किसानों के लिए दिनांक 24 जून 2016 को वयनाडु के कलपट्टा में हल्दी खेती पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आदिवासी उपयोजना के अन्तर्गत एम एस एस आर एफ, पुत्तूरवयल, स्टैट बैंक ओफ त्रावणकोर तथा ग्रामीण स्वयं रोज़गार प्रशिक्षण संस्थान के सहयोग से आयोजित किया गया। आदिवासी किसानों को हल्दी प्रजातियों (आई आई एस आऱ प्रभा तथा आई आई एस आर केदारम) की रोपण सामग्रियों का वितरण किया गया।

प्रशिषण कार्यक्रम

आई टी एम - बी पी डी इकाई

तकनीकी वाणिज्यीकरण

भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान ने 9 जून 2016 को हल्दी प्रजाति आई आई एस आऱ आलप्पी सुप्रीम तथा अदरक प्रजाति आई आई एस आर वरदा के वाणिज्यीकरण के लिए सेन्टर फोर ओवरओल डेवलपमेंट, तामरश्शेरी, केरल के साथ मेमेरान्डम ओफ अण्डरस्टान्डिंग हस्ताक्षर किया। संस्थान द्वारा काली मिर्च प्रजाति 'आई आई एस आर थेवम' का लाइसेंस श्री मार्टिन मानुअल, तलयाड, कोषिक्कोड को दिनांक 10 मई 2016 को दिया।

जैव कैप्स्यूल्स 'ट्राइकोकैप' तथा 'पावरकैप'

'पावरकैप' तथा 'ट्राइकोकैप' का लोंच कार्यक्रम इस तकनीक के लाइसेंसी सर्वश्री कोडगु अग्रीटैक, कुशालनगर, करनाटक के सहयोग से दिनांक 27 जून 2016 को भाकृअनुप- भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, करनाटक में आयोजित किया। श्री प्रताप सिन्हा, माननीय संसद सदस्य मैसूर-कोडगु लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र, करनाटक ने इस उपज को लोंच किया। काली मिर्च खेती की नवीन प्रजातियां एवं पद्धतियों पर एक विशेष संगोष्ठी भी आयोजित की गयी। इस कार्यक्रम में लगभग 200 भागीदार थे। जिनमें किसान, प्लान्टेर्स, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के विभिन्न संस्थानों, कृषि विज्ञान केन्द्रों तथा राज्य कृषि विभाग के अधिकारी भी शामिल थे।

'मालु' मसाला उपजों का शुभारंभ

एक नयी कंपनी मालुकार्ट जो भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, (भाकृअनुप-भामफअनुसं), कोषिक्कोड की एक इनक्युबेट है उसने दिनांक 3 जुलाई 2016 को 'मालू' ब्रान्ड नाम से करी मसाला विपणि को प्रारंभ किया। विपणि का प्रारंभ एवं पहला क्रय डा. एन. के. कृष्ण कुमार, उप महानिदेशक (बागवानी विज्ञान), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद परिषद, नई दिल्ली ने किया।. स्वच्छ मसाला पाउडर को भाकृअनुप-भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान के प्रायोगिक प्रक्षेत्र, पेरुवण्णामुषि में स्थापित मसाला संसाधन इकाई में पैक करके मसाला पाउडर बनाता है। इस उपज को मालुकार्ट शोरूम से या www.malukart.com द्वारा मांग के अनुसार उपलब्ध करवाया जाता है।

डा.एन . के कृष्ण कुमार, उप महानिदेशक दुवारा उदघाटन।

कृषि विज्ञान केन्द्र

खेतीगत परीक्षण

प्रस्तुत अवधि में कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा 7 खेती गत परीक्षण (40 परीक्षण) ए टी ए आऱ आई द्वारा अनुमोदित किया गया।

1. कोषिक्कोड जिले में आंगन में लंबी बीन प्रजाति लोला, वेल्लायनी ज्योतिका तथा गीतिका की दक्षता का मूल्यांकन।

2. उच्च घनत्व वाले बागों में नेन्त्रन केला के ऊतक संवर्धित पौधे तथा सकेर्स की तुलनात्मक दक्षता का मूल्यांकन।

3. कलमी काली मिर्च (लगातार तीन वर्ष) की दक्षता का मूल्यांकन।

4. केले में सिगाटो का पर्ण चित्ती के प्रति जैविक प्रबन्धन पद्धतियों का मूल्यांकन।

5. घरेलू बागों में पालतू मुर्गियों के विभिन्न प्रजनन की उत्पादन दक्षता का मूल्यांकन।

6 खारा पानी तालाबों में मिल्क फिश (*कानोस कानोस*) की वैज्ञानिक संवर्धन।

7. निर्जलीकृत केला के उत्पादन के लिए विभिन्न तकनीकियों का मूल्यांकन।

अग्र पंक्ति प्रदर्शनी

वर्ष 2016-17 में निम्नलिखित अग्र पंक्ति प्रदर्शनियों को अनुमोदित किया गया। जिनको 106 किसानों के खेतों में प्रदर्शित किया गया।

- काली मिर्च की उच्च उपज वाली प्रजातियों की मूल लगाये कतरनों के शीर्ष प्ररोहों की दक्षता का मूल्यांकन।

- नेन्त्रन केले में उच्च उपज के लिए केला सूक्ष्म-पोषण मिश्रण जैसे ए वाई ए आर का मृदा में प्रयोग की प्रदर्शनी।

- दुग्ध पशुओं के लिए फोडर उत्पादन के हाइड्रोपोनिक्स प्रणाली की प्रदर्शनी।

- सुपारी/ नारियल बागों में मिश्र फसल के रूप में जावा लोंग पेप्पर (*पाइपर छाबा*) की प्रदर्शनी।

- नारियल के तनजोर म्लानी के एकीकृत प्रबन्धन पर प्रदर्शनी।

- कीटनाशक कवक *ब्यूवेरिया बासियाना* द्वारा केले में प्स्यूडो स्टम वीविल का प्रबन्धन।

- गायों में दूध बुखार को रोकने के लिए एनियोनिक मिश्रण खिलाने पर प्रदर्शनी।

- फोरमुलेटड फ्लोटिंग फीड द्वारा मच्छलियों का संवर्धन।

अन्य कार्यविधियां

किसानों, ग्रामीण युवकों, महिलाओ के लिए 21 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये तथा 802 लोग इन कार्यक्रमों से लाभान्वित हुए। प्रस्तुत अवधि में, कृषि विज्ञान केन्द्र ने किसानों के लिए 158 परामर्श सेवाएं तथा निदान के लिए दो भ्रमण आयोजित किये गये।

बाह्य धन प्रदत्त परियोजनाएं

इस परियोजना के अन्तर्गत नबार्ड -'लीड एन्थूसियास्टिक एग्रिकल्चरिस्ट टु डेवलप (एल ई ए डी) फार्म बाई सेटि्ंग अप ओफ एग्रिकल्चर इनक्युबेशन सेन्टर अट के वी के, कोषिक्कोड' के द्वारा स्थान को साफ करके जल निकास चैनल बनाकर नये मिट्टी रोड तथा तीन टेरेसस को रूपांकित किया गया। उसी प्रकार, डी बी टी धन की परियोजना 'एमपावरमेंट ओफ रूरल विमन एण्ड टूथ इन कोषिक्कोड डिस्ट्रिक्ट थ्रू ओरनमेनटल फिश कल्वर अप्लायिंग बायोटेकनोलोजीस' के अन्तर्गत चयनित महिला दलों ने किसानों के खेतों में ग्रामीण महिलाओं की जीविका के रूप में 25 बैकयार्ड ओरनमेंटल फिश कल्चर यूनिट विकसित किया।

प्रकाशन

प्रस्तुत अवधि काल में 10 शौधपत्र, 1 पुस्तक, 2 पुस्तक पाठ, 2 लोकप्रिय लेख को विभिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशित किया गया। इसके अतिरिक्त संस्थानों के वैज्ञानिकों ने 2 शौध पत्रो को विभिन्न संगोष्ठियों में प्रस्तुत किया।

पदोन्नति

नाम	पद	दिनांक
डा. राशिद परवेज़	प्रधान वैज्ञानिक	5 सितम्बर 2014
डा. डी. प्रसाथ	प्रधान वैज्ञानिक	25 नवंबर 2014
डा. ई. जयश्री	प्रधान वैज्ञानिक	15 दिसंबर 2014
डा. सी. के. सुषमा देवी (सेवानिवृत्त)	सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी	01 जनवरी 2015
श्री. के. फैसल	व्यक्तिगत सहायक	25 मई 2016

स्थानांतरण

नाम	पद	स्थानांतरित कार्यालय	दिनांक	कार्यग्रहण किये कार्यालय
डा. ई. राधा	सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी	आई आई एस आर फार्म पेरुवण्णामुषि	25 मई 2016	आई आई एस आर, चेलवूर
श्री. एम. राधाकृष्णन	वित्त व लेखा अधिकारी	आई आई एस आर, कोषिक्कोड	15. जून. 2016	भाकृअनुप-गन्ना प्रजनन संस्थान, कोयंबतोर

त्यागपत्र

नाम	पद	दिनांक
सुश्री. वी. मोनिका	वरिष्ठ शोध छात्र (जोवसूचनाएं) , फाइटोफ्यूरा	08-04-2016
श्री. वी. पी. अरुण राज	वरिष्ठ शोध छात्र (जोवसूचनाएं), एच वीसी परियोजना	13.06.2016
सुश्री. के. नीतु कृष्णा	वरिष्ठ शोध छात्र, एच वीसी परियोजना	30.06.2016

सेवानिवृत्ति

नाम	पद	दिनांक
श्री. वेणु नायर	सहायक कर्मचारी	30 अप्रैल 2016
श्री. पी. चन्दु	सहायक कर्मचारी	31 मई 2016
श्री. के. टी. मोहम्मद	तकनीकी अधिकारी (टी 5)	31 मई 2016

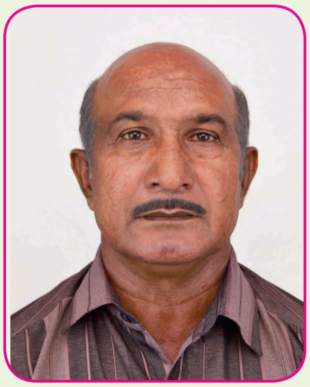

श्री. वेणु नायर

श्री. के. टी. मोहम्मद

श्री. पी. चन्दु

भाकृअनुप
ICAR
हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
Agrisearch with a human touch

मसाला समाचार

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अधीन

भा. कृ. अनु. प. - भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड- 673012 (केरल), भारत
दूरभाष : 0495 2731410, फेक्सः 0495 2731187

नोटः पी डी एफ संस्करण वेब साइट http://www. spices.res.in/ newsletter/ index.php पर भी उपलब्ध है।

प्रकाशक
डा. के. निर्मल बाबू
निदेशक
भा. कृ. अनु. प. - भारतीय मसाला फसल अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड

संपादक
राशिद परवेज़
एन. प्रसन्नकुमारी

छाया चित्र
ए. सुधाकरन

Printed at: G K Printers, Kaloor, Cochin - 682 017. Phone : 0484 2340013. Email : gkcochin@gmail.com